बाईबल के अनुसार अपने बच्चों को सिखायें कि परमेश्वर सर्वशाक्तिमान है।

अगर आपने अभी तक नही पढ़ा पी-टी अध्ययन करें ए ओ एफ नौसिखिये चरवाहों को (प्रशिक्षन देने) सिखाने के लिए। अब कृपया यह करें।

प्रार्थना "प्यारे परमेश्वर माता-पिता की सहायता करें कि अपने बच्चो को आज्ञा मानना सीखायें जिस प्रकार याहेशू ने किया।"

इन क्रियायों में से जो चालू जरूरतों को पूरा करती है और स्थानिय परम्पराओ के अनुसार है उनमें से चुन लें।

1. **अपने हृदय को प्रार्थना और परमेश्वर के वचन से तैयार करे जिससे अपने बच्चों को शिक्षा दी जा सके।**

पृष्ठ भूमिः परमेश्वर ने अपने लोगों की मिस्त्र की दासत्वता से छुड़ाने के बाद उन्होंने परमेश्वर की आज्ञा को नहीं माना और प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करने न पाये। वे दुष्ट मूर्तिपूजको से जो वहाँ रहते थे, डरते थे। पवित्र परमेश्वर उन्हें 40 वर्षो तक मरूभूमि में भटकाता रहा, उनके अविश्वास के कारण। बाद में जब उन्होंने यरदन नदी को पार किया यह एक बहुत बड़ी ऐतिहासिक घटना थी, क्योंकि परमेश्वर के लोगों ने अन्त में विश्वास और साहस किया और प्रतिज्ञा के देश में पहुँच गये।

यहोशू 3:14-4:6.....में देखें

- परमेश्वर ने अपने लोगों से क्यों कहा कि यरदन नदी के किनारे पत्थरों का ढेर लगायें। *(उत्तरः यहोशू 4:6-71। पत्थर, फसल के पर्व के समान बच्चों को जो बड़े बड़े कार्य परमेश्वर ने किये थे समझ ने में, सहायता करेगा। निर्गमन 12:26-27 से तुलना करें)*
- यरदन नदी में सबसे पहले कौन से इस्रायलीयों ने प्रवेश किया? यह क्यों आवश्यक है? *(उत्तरः यहोशू 3:14 जी याजक पवित्र वाचा का संदूक उठाये थे उन्होंने सबसे पहले प्रवेश किया। वाचा का संदूक दर्शाता है परमेश्वर की उपस्थिति और वे आगे चलते थे, जिस प्रकार यीशु मसीह हमारे आगे आगे चलता है, हमारे प्रतिज्ञा के देश के लिये चलता है जो र्स्वग है।)*
- जब याजको ने जो संदूक उठाये हुये थे नदी में प्रवेश किया तब क्या हुआ? *(यहोशू 3:15)*
- नदी के बीच मे से बारह अगुवो ने क्या उठाया? *(यहोशू 4:3)*
- अगुवों ने पत्थरों को नदी में से उठाकर कहाँ रखा? *(यहोशू 4:8)*

बच्चों को मसीही अनुशासन में रखे और निर्देश दें।

- बच्चो के पिता ज्यादातर प्रशिक्षण ले (इफिसियो 6:4)
- बच्चो के साथ प्रतिदिन प्रार्थना करें और परमेश्वर के वचन को बाँटे। (व्यवस्थाविवरण अध्यायद और 7)

- परमेश्वर के वचन को बच्चों के द्वारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाते रहें। (भजन संहिता 78:3-7)
- बच्चों को परमेश्वर के वचन से सीधे पढ़ाये (व्यवस्था विवरण 31:12) और बाईबल की कहानियाँ भी सिखायें।
- छोटे शिशु बच्चो को आकर इशारों से सिखाथे। नूह के बारे में बतायें, उन्हें पशु पक्षियों के साथ खेलने दीजिये, उदाहरण खरगोश एक पैर से कैसे कुदते हैं; शेर कैसे दहाड़ता है।
- छोटे बच्चों को और थोड़े समय तक ध्यान दें उन्हें मज़बूर मत करें कि वह लम्बी लम्बी कहानियाँ सीखें।
- बड़े बच्चे जवान बच्चो को सिखायें। ध्यान दें कि एक ही आयु के बच्चे एक ही समूह में न हों
- बड़े बच्चे कुछ वस्तुयें बनायें और बाईबल की कहानियो पर आधारित नाटक करें और कुछ खेल खेलें।
- बच्चे वयस्को की संगति करें जिससे गम्भीर बातों के लिये प्रार्थना की जाए, (एज्रा 10:1; 2 इतिहास 20:12-13)
- बच्चे वयस्को की संगति करें पवित्र अनुष्ठानों तथा उत्सव को मनाने के लिए, (नहेमयाह 12:43)
- बच्चे वयस्कों की संगति करें परमेश्वर की स्तुति व आराधना करने के लिए, भजन संहिता 148:13-15 मत्ती 21:15-16
- बच्चे वयस्कों की संगति करें यीशु मसीह की शिक्षाओं को सुनने के लिए, मत्ती 14:21
- जब बच्चे बुरा बर्ताव करे, उन्हें प्रेम से सुधारें गुस्से से नहीं नीतिवचन 23:13; इब्रानियों 12:6-11
- बच्चों को गुस्सा दिलाना बन्द करें। जो माता-पिता नफरत करते हैं, बच्चों पर आप लाते हैं। इफिसियो 6:1-4, मलाकी 4:6
- निर्दोष बच्चों को गलत काम करने से रोकें, मत्ती 18:1-6
- बच्चों को विश्वस्त करें कि यीशु मसीह के प्यार और क्षमा को सीखें, मरकुस 10:13-16
- अगर आप अपने बच्चों को सुधारते हैं तब ही चरवाहों की गुरू की सेवकार्य करे। 1 तीमुथिसुस 3:4-5

2. सप्ताह में होने वाले कार्यक्रमों का अपने सह कर्मियों क साथ योजना बनायें।

- अभिभावको को दिखायें कि घरों में बच्चों को कैसे सिखायें
- भाग 1 में दिये गये मार्गदर्शी सिद्द्यातो के अनुसार बच्चों को निर्देश दें।
- अपने अन्य जाती मित्रों के परिवारों और बच्चों को भी बुलायें जिससे वे भी आन्नद उठा सके।

3. आराधना के समय को किस प्रकार की कार्यक्रमो से सुनियोजित किया जाये अपने सह कर्मियो के साथ मिलकर योजना बनाए।

समझायें कि परमेश्वर ने क्यों अपने लोगों से कहा कि पत्थरों का ढेर यरदन नदी के पास लगाए (भाग 1 देखो)

समझायें कि बच्चों को किस प्रकार मसीही निर्देश व अनुशासत में रहें (भाग 1 देखें)

यरदन नदी को पार करते हुये कहानी के कुछ भागों को नाटक में दर्शायें। बच्चों से कहें कि सहायता करें।

- वयस्क लोग वाचक, यहोशू और पत्थर देने वाले पात्रों को करें। पत्थर उठाने वाले बड़ी चट्टान तैयार रखें जहाँ नाटक करना है उसके बीच भाग में।
- बच्चे इस्रायालियो का (लोगों का) और चार याजको का पत्र करें (एक बड़ा बक्सा उठाते हुये दिखाना है)

वाचक : कहानी का पहला भाग बतायें (यहोशू 3:14–17 से)। फिर कहें, "सुनो यहोशू क्या कहता है इस्रायली लोगो से जो प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करने वाले हैं।"

यहोशू : "हम यर्दन नदी पार करेंगे। उसमें बहुत पानी है, परंतु परमेश्वर हमें सूखी भूमि पर से जाने देगा। देखते रहें की वह क्या करेगा। याजक वाचा का संदूक उठाए। और पानी में उतर जाएं।"

चार याजक : संदूक को उठाकर आगे की ओर बढ़ते हुये। कहते हैं, "ऊपर से बहते हुये पानी को देखो! सारा पानी ढेर के रुप में इकट्ठा हो रहा है। (पत्थरों के पास "नदी" के पार जाओ)

इस्राएली (कितने भी हो सकते हैं) **:** याजकों के पीछे पीछे नदी पार करते हैं। कहते हैं, "देखो भूमि सूखी दिखाई दे रही हैं।

पत्थर उठाने वाले और यहोशू : बच्चों नदी पार करो। अभी पत्थरों को मत उठाओ। इस प्रकार कहो, "परमेश्वर ने नदी को किस प्रकार रोक दिया।" "यह तो एक आश्चर्यजनक बात है!" "परमेश्वर हमारी सहायता कर रहा है।"

वाचक : यहोशू 4:1–7 में कहानी का दूसरा भाग बतायें फिर कहें, "सुनिये यहोशू इस्राएल के बाहर गोत्रों के अगुवों से क्या कह रहा है।"

यहोशू : "अब हर एक ने नदी को पार कर लिया है, बारह बलशाली मनुष्यों को चुन लो ताकि नदी के बीच में से बड़े पत्थरों को उठा सकें। इन बड़े पत्थरों हमारे बच्चों को याद दिलायेगा कि परमेश्वर ने हमारे लिए आज साथ क्या किया था"

पत्थर ढोने वाले : पत्थरो को नीचे रखते हुये। इस प्रकार दिखात मानो पत्थर बहुत भारी हैं। इनको वहाँ पर ढेर लगाओ जहाँ याजक खड़े हैं।

इस्राएली : "पत्थरों के ढेर लगाने का क्या अभिप्राय हैं।"

यहीशू : "ये आपको स्मरण करवायेंगे की परमेश्वर ने आज के दिन आपके लिये क्या किया।"

वचाक : लोगों को समझाये कि नाटक खतम हो गया और उन सबका धन्यवाद करें जिन्होंने इसमें सहायता की है।

तर्क करना : उन उदाहरणों को प्रस्तुत करें जिनमें हम परमेश्वर के कार्यो को याद कर सकते हैं। विश्वासी ऐसे उदाहरण प्रस्तुत करें।

विश्वासी लोग गवाहियाँ दें कि किस प्रकार अपने बच्चों को घरों पर सिखाने से आशीष मिलती हैं। बच्चें आयें और जो कुछ उन्होंने तैयार किया है प्रस्तुत करें।

प्रभु भोज का आरम्भ करने के लिये लूका 11:10–13 तक पढ़े। समझायें कि प्रभु भोज परमेश्वर का दिया हुआ अच्छा उपहार है जो हमारे स्वर्गीय पिता परमेश्वर ने हमें दिया, उनके बच्चों के मिलकर याद करे इफिसियो 6:4

समूह बनायें दो या तीन लोग मिलकर प्रार्थना करने के लिये सभाओ के दौरान सभी योजनायें बनाए जो बच्चो को घरों में पढ़ाने में सहायता करती है, और एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।